- **तिलक ने राष्ट्रवाद का प्रचार करने के लिए गणेश पूजा और शिवाजी महोत्सव का प्रयोग स्वदेशी आंदोलन के दौरान किया था।** उन्होंने होम रूल की विचारधारा का प्रचार-प्रसार करने हेतु धार्मिक त्योहारों का एक महत्वपूर्ण रणनीति के रूप में प्रयोग नहीं किया। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Q 3.A

- **नवंबर 1927 में,** ब्रिटिश सरकार द्वारा **भारतीय विधिक आयोग (Indian Statutory Commission)** की नियुक्ति की गई, **ताकि आगे के संवैधानिक सुधारों के प्रश्न पर विचार किया जा सके।** इस आयोग को लोकप्रिय रूप से इसके अध्यक्ष **जॉन साइमन के नाम पर साइमन कमीशन** के नाम से जाना जाता है। इसका गठन ब्रिटेन की कंजरवेटिव सरकार द्वारा किया गया था। **इसलिए कथन 2 सही है।**
- **इस आयोग के सभी सदस्य अंग्रेज थे।** अत: इस घोषणा का सभी भारतीयों ने एक स्वर में विरोध किया। भारतीयों के रोष का प्रमुख कारण इस आयोग में किसी भी भारतीय को सम्मिलित नहीं किया जाना और इस बहिष्कार के पीछे की मूल धारणा थी कि विदेशी स्वशासन के लिए भारत की उपयुक्तता पर चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- **वर्ष 1927 के मद्रास अधिवेशन में डॉ. अंसारी** की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कांग्रेस ने 'प्रत्येक स्तर पर एवं प्रत्येक स्वरूप में' आयोग का बहिष्कार करने का निर्णय किया। **मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने भी कांग्रेस के निर्णय का समर्थन किया।**
- 3 फरवरी 1928 को साइमन कमीशन के बॉम्बे आगमन के साथ ही कार्रवाई (विरोध प्रदर्शन) आरंभ हो गई। उस दिन, लोग काले झंडे लेकर प्रदर्शनों में भाग लेने के लिए सड़कों पर उतर आये। **मद्रास में, टी.प्रकाशम** द्वारा सशस्त्र पुलिसकर्मियों के सम्मुख सीना तान कर खड़े हो जाना इस अवसर की उग्र भावना का प्रतीक है। लखनऊ में, खालिकुज्जमां ने विरोध करने के लिए बड़ा ही रोचक तरीका अपनाया। उन्होंने तालुकदारों द्वारा कैसरबाग में आयोग के सदस्यों के लिए आयोजित स्वागत समारोह में लोकप्रिय नारा 'साइमन गो बैक' लिखी पतंगें और गुब्बारे उड़ाए।
- **लखनऊ में जवाहरलाल नेहरु और गोविंद बल्लभ पंत** को पुलिस द्वारा लाठियों से पीटा गया। लेकिन सबसे बर्बर घटना **लाहौर में** घटित हुई जहां 30 अक्टूबर को गरमपंथी चरण (Extremist days) के नायक और पंजाब के सबसे सम्मानित नेता **लाला लाजपत राय** के सीने पर लाठियों से प्रहार किए गए और **इन्हीं चोटों के कारण** 17 नवंबर 1928 को **उनकी मृत्यु हो गई।** यह उनकी मृत्यु ही थी जिसका प्रतिशोध लेने के लिए **भगत सिंह** और उनके साथियों ने दिसंबर 1928 में **अंग्रेज़ पुलिस अधिकारी सॉन्डर्स की हत्या कर दी।**
- **साइमन कमीशन की रिपोर्ट में डोमीनियन स्टेटस का कहीं उल्लेख नहीं किया गया था** और अन्य माध्यमों से भी यह एक प्रतिगामी दस्तावेज़ था। इसने नरमपंथियों सहित सभी राष्ट्रीय नेताओं को निराश किया। **इसलिए कथन 3 सही नहीं है।**

Q 4.A

- **वर्ष 1946 में,** भारतीय समस्या का परस्पर सहमति से समाधान खोजने के लिए **कैबिनेट मिशन** भारत आया। मिशन ने सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ वार्ता की तत्पश्चात् एक अखंड भारत की स्थापना के लिए अपनी योजना का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कैबिनेट मिशन में भारत के राज्य सचिव **लॉर्ड पैथिक लॉरेंस, सर स्टेफर्ड क्रिप्स** और **ए. वी. अलेक्जेंडर** शामिल थे।
- कैबिनेट मिशन ने अविभाजित भारत की सिफारिश की और **मुस्लिम लीग की पृथक पाकिस्तान की मांग को अस्वीकार कर दिया। इसलिए कथन 1 सही है।**
- वर्तमान प्रांतीय विधानसभाओं को तीन खंडों में वर्गीकृत करने का प्रस्ताव किया गया, जिन्हें समूह गठन पर निर्णय लेने के लिए अलग से बैठक करनी थी। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
  - **भाग क** जिसमें मद्रास, बॉम्बे, संयुक्त प्रांत, बिहार, मध्य प्रांत (C.P) एवं उड़ीसा शामिल थे।
  - **भाग ख** जिसमें पंजाब, उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत (NWFP) एवं सिंध शामिल थे।
  - **भाग ग** जिसमें बंगाल और असम शामिल थे।
- इसके अंतर्गत प्रावधान किया गया कि **रक्षा, विदेशी मामले एवं संचार** दिल्ली स्थित **केंद्र सरकार** के अधीन होंगे। जबकि शेष शक्तियाँ प्रांतों में निहित होंगी। **इसलिए कथन 3 सही नहीं है।**

Q 5.C

- अधिकांश भारतीय शासक/राजा न केवल अंग्रेजों के प्रति वफादार रहे थे बल्कि उन्होंने विद्रोह को कुचलने में अंग्रेजों की सक्रिय रूप से सहायता भी की थी। इसके अतिरिक्त, विद्रोह के अनुभव ने ब्रिटिश अधिकारियों को विश्वास दिला दिया था कि जनता के